आचार्य श्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूंगरगढ़
फोन नं. 01565-224900, 224600
ई-मेल :- jstsdgh01565@gmail.com

पारिवारिक सौहार्द कार्यशाला का समापन

श्रीडूंगरगढ़ 15 जनवरी

बहुचर्चित ंति हैप्पी एंड हारमोनियस फैमिली के लेखक आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में आयोजित त्रिदिवसीय पारिवारिक सौहार्द कार्यशाला का समापन कल रात्रि में हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रेक्षाप्राध्यापक मुनि किशनलाल ने कहा कि परिवार में टूटन का कारण अहंकार है। उच्च शिक्षा और अर्थ प्राप्ति ने व्यक्ति को अहंकार से भर दिया है। जिस विद्या संस्थान से विनय का प्रशिक्षण मिलता था आज वही केवल अर्थोपार्जन तक सीमित हो गई है। उन्होने दूसरा कारण बताते हुए कहा कि स्वतंत्र मनोवृति भी परिवार के बिखराव का कारण बन रही है। संयुक्त परिवार में जो सुविधा, सुख और पारस्परिकता मिलती है वह एकल परिवार में संभव नहीं है। मुनि किशनलाल ने प्रेक्षाध्यान के अन्तर्गत दीर्घश्वास, महाप्राण ध्वनि एवं संकल्प के प्रयोग करवाकर परस्पर सौहार्द विकसित करने के सूत्र प्रदान किये।

मुनि दिनेशकुमार ने कार्यशाला के संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार में सद्व्यवहार से ही सौहार्द बढ़ता है। पारिवारिक सौहार्द कार्यशाला से परिवारों में सकारात्मक सोच विकसित हुई है। स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल की अध्यक्षा झिण्कारदेवी बोथरा एवं संपतराम भादाणी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला को सफल बनाने में आचार्य श्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के कार्यकर्त्ताओं एवं प्रेक्षा प्रशिक्षक गिरिजा शंकर दुबे का श्रम नियोजित हुआ।